



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 255]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 20, 1980/ज्येष्ठ 30, 1902

No. 255]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 20, 1980/JYAISTHA 30, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

का० आ० 443 (अ) —केला श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1979 का एक प्रारूप कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की श्रेष्ठानुसार, भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2241, तारीख 11 जून, 1979 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 30 जून, 1979 के पृष्ठ 1929-1930 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पताचौम दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से अक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 6 जुलाई, 1979 को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और केन्द्रीय सरकार की जनता से उक्त प्रारूप की बाबत कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केला श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1980 है।

(2) ये भारत में उत्पादित केले को लागू होंगे।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्ति होंगे।

2 परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(1) “कृषि विपणन सलाहकार से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है।

(2) “अनुसूची” से इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3 श्रेणी अभिधान:—केले की क्वालिटी दर्शाने हेतु श्रेणी अभिधान वे होंगे जो अनुसूची I के स्तम्भ 1 में उल्लिखित हैं।

4 क्वालिटी की परिभाषा:—विभिन्न श्रेणी अभिधानों द्वारा उपर्युक्त क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची I के स्तम्भ 2 से 4 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उल्लिखित की गई है।

5 श्रेणी अभिधान चिह्न एक ऐसा लेबल होगा जिसमें श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा तथा उस पर एक डिजाइन होगा जिसमें एम्बल (शब्द के साथ (भारत के मानचित्र की रेखाकृति) तथा “Produce of India” और “भारतीय उत्पाद” सहित निम्नलिखित हुए सूर्य का चित्र जैसा अनुसूची II में दिखाया गया है उसके अनुरूप होगा।

6 चिह्नानुक्रम की पद्धति:—(1) प्रत्येक आधान पर श्रेणी अभिधान चिह्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से अच्छी तरह लगाया जाएगा तथा उसमें निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्टतः दर्शित की जाएंगी, अर्थात्:—

(क) श्रेणी अभिधान।

(ख) किस्म या व्यापार नाम।

- (ग) शुद्ध भार।
 (घ) पैक किए जाने की तारीख।
 (ङ) प्राधिकृत पैकर का नाम और पता।

(2) कृषि विपणन सलाहकार के पूर्व अनुमोदन से, प्राधिकृत पैकर आधार पर उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अपना निजी व्यापार चिह्न, चिह्नंकित कर सकेगा परन्तु यह तब जब उसका निजी व्यापारचिह्न इन नियमों के अनुसार उपरि उल्लेखित केले के श्रेणीकरण या क्वालिटी में भिन्न श्रेणियाँ या क्वालिटी को दर्शित नहीं करता है।

7. पैक करने की प्रक्रिया:—(i) कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित विभिन्न सामग्री, माप या आकृति के केवल मजबूत, स्वच्छ तथा शुष्क आधार ही पैक करने के उपयोग में लाए जाएंगे। ये जन्तु-बाधा या फफूँदी संदूषण से तथा किसी भी अवांछनीय गंध से भी मुक्त होंगे।

(ii) आधारित कृषि विपणन सलाहकार द्वारा यथाविहित रीति से भली प्रकार से बन्द और सीलबन्द किए जाएंगे।

(iii) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी अधिधान के केले पैक किए जाएंगे।

8. प्राधिकरण प्रमाण-पत्र की विशेष शर्तें:—

साधारण श्रेणीकरण और चिह्नंकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा, इस निमित्त सम्पन्न: प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को नमूना लेने परीक्षण करने तथा ऐसे अन्य मामलों में, जो आवश्यक हों, सभी सुविधाएं देगा।

अनुसूची I

(निर्देश 3 और 4 देखिए)

वाणिज्य क्षेत्र में बसराई (बीना केवेन्डिश) और हरीछाल (बड़ा केवेन्डिश या रोबस्टा) के नाम से विख्यात, केले की फली के श्रेणी अधिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा।

विशेष लक्षण	क्वालिटी की परिभाषा	सामान्य लक्षण
से०मी० में फल की न्यूनतम लम्बाई		
श्रेणी अधिधान	बसराई	हरी छाल
1	2	3
चुना हुआ विशेष	20	20
मानक	15	15
फली में केले—		
1. लाक्षणिक दृष्टि से समान आकार साइज तथा रंग के होंगे जैसा कि उस प्रकार/किस्म में होता है।		
2. पूर्णतः साफ सुथरे तथा सुविकसित होंगे।		
3. रोग मुक्त तथा स्वस्थ डण्डल में लगे होंगे।		
4. निचम ओवा वाले जुड़े हुए, विकृत, छितरे हुए, गंदे छिलकों वाले, धूप भरे या दागी, मूखसे हुए, मड़ हुए या रोगयुक्त नहीं होंगे। क्षति, खरोच, तथा किसी भी अन्य मशीनगत अथवा अन्य किसी प्रकार होने वाली क्षति से रहित होंगे।		

1 2 3 4

5 निर्यात के लिए अलग से किए जाने के लिए किए गए उपयोग वैनिमाइड पेन्स जैसे रसायन की बुंदों से मुक्त होंगे।

6 प्रत्येक फली में को ईथिलेन खाली जगह नहीं होगी और प्रत्येक फली के साथ कम से कम 5 से०मी० तने का भाग होगा।

लम्बाई में छूट:—

विनिर्दिष्ट साइज से भिन्नता अनुज्ञात की जा सकती है। फल, गिनती में 5 प्रतिशत तक ऐसे हो सकते हैं जो संबंधित श्रेणी की अपेक्षाओं के अनुरूप न हों किन्तु यह आवश्यक है कि वे उनसे ठीक निचली श्रेणी के अनुरूप हों।

अनुसूची II

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अधिधान चिह्न के लिए डिजाइन।

[फा० सं० 13-3/77-ए० एम०]

के०एम० गुप्ता अवर सचिव

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1980

S.O. 443(E).—Whereas a draft of the Banana Grading and Marking Rules, 1979, was published, as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), on page 1931 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 30th June, 1979, under the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) No. S.O. 2241, dated the 11th June, 1979, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of forty five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 6th July, 1979;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public in respect of the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, application and commencement:—

(1) These rules may be called the Banana Grading and Marking Rules, 1980.

(2) They shall apply to bananas produced in India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions:—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

3. Grade Designation:—Grade designations to indicate the quality of bananas shall be as set out in Column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality:—The quality indicated by the respective grade designations shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 4 of Schedule I.

5. Grade designation mark :—The Grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design (consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the one as set out in Schedule II.

6. Method of marking:—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser and shall clearly show the following particulars, namely :—

- Grade designation;
- Variety or trade name ;
- Net weight;
- Date of packing;
- Name and address of authorised packer

(2) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of bananas different from that indicated in accordance with these rules.

7. Method of packing:—(1) Only sound, clean and dry container made of different materials and dimensions or designs as approved by the Agricultural Marketing Adviser shall be used for packing and they shall be free from any insect infestation or fungus contamination and also free from any undesirable smell.

(2) The containers shall be securely closed and sealed in such a manner as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) Each package shall contain bananas of one grade designation only.

8. Additional Conditions of Certificate of Authorisation :—

In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the authorised packer shall provide all facilities to the inspecting Officer duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf for sampling, testing and such other matters as may be necessary.

SCHEDULE I

[See rules 3 and 4]

Grade designations and definition of the quality of hands of banana fruits, commercially known as Basrai (Dwarf Cavendish) and Harichal (Giant Cavendish or Robusta)

Grade designation	Special Characteristics	Definition of Quality	General Characteristics
	Minimum length of the fruits in c.m.		
1	2	3	4
Choice	20	20	The banana fruits in a hand shall—
Special	15	15	(1) have characteristic uniform shape, size and colour normal to the variety/type;
Standard	12.7	12.7	(2) be absolutely clean and well developed;
			(3) have disease free and healthy unbroken stalks;
			(4) be free from weakened necks, doubles, and deforms, shattered fingers, shabby-peels, dirt or stain, sunburn decay and decess, free from damages bruises, scratches and any other injury, mechanical or other means;
			(5) be free from fallen drops of chemicals like 'Vandicide Peps' when applied to cut end of stems for export purposes;
			(6) be complete without any odd gaps and shall have at least 5 cm. of stem portion alongwith each hand.

Tolerances : Tolerances for length: To allow for variation incident to proper sizing specified, not more than 5% by count of the fruits may fail to meet the requirements of the grade but shall satisfy the requirements of the next lower grade.

SCHEDULE II

[See rule 5]

Design for the Grade Designation Mark

A
G
M
A
R
K

[No. F.13-3/77-A.M.]
K. L. GUPTA, Under Secy.

